

Appointments

हिन्दी - विभाग

डॉ० इतिहा कुमारी सिंह

B.A. Part III

विषय — भारतीय आचार्यों द्वारा प्रतिपादित काव्य के लक्षणों का विवेचन करें। —

वैसे तो किसी भी चीज को परिभाषित करना अत्यंत कठिन कार्य है। जैसे फिर काव्य ही अत्यंत ही व्यापक साहित्यिक विधा है। अतः इस परिभाषा के खूँटों में वाच्यता अत्यंत ही कठिन है। फिर भी विद्वानों ने काव्य लक्षणों का विवेचन अपने-अपने ढंग से किया है।

संस्कृत आचार्यों में मामट ने काव्य की पद्धता समन्वित शब्दार्थ कहा है। उनके अनुसार "शब्दार्थों संहिता काव्यम" अर्थात् 'शब्द एवं अर्थ का साव्य होना ही काव्य है। मामट के इस परिभाषा की आलोचकों ने यह कहकर अचूरा सिद्ध करने का प्रयास किया है कि इसमें 'सा' की इसी चर्चा तक नहीं की गई है, केवल शब्द- अर्थ की ही बात नहीं की गई है।

S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S
2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.

A day without sunshine is like, you know, night. - Steve Martin

25 Saturday  
Week - 4th - 025-341

Two Thousand Twenty

JANUARY '20  
National Voters' Day (India)

Appointments

9:30 वागन के अनुसार - "काव्य वही है, जिसका सौंदर्य  
10:30 कलंकार से निखरता है यानी जिसमें कलंकार ही  
11:30 वह काव्य है। इसी प्रकार आनन्द वर्धन, कुन्दन जाद्वि  
ने भी काव्य में रसा, कलंकार, शब्द एवं अर्थ  
की अन्विता पर बल दिया है।

12:00 आचार्य मम्मट के अनुसार - "जिसमें गुण  
है, जो दोषरहित ही एवं वैकल्पिक रूप से कलंकार  
13:00 युक्त ही, उसे काव्य कहते हैं। उन्होंने काव्य  
14:00 के लक्षण को निरूपित करते हुए निम्नलिखित  
15:00 बातों पर ध्यान दिया है -

16:00 (क) दोष रहित रचना ही काव्य है।

17:00 (ख) काव्य की प्रथम शपक और अर्थ दोनों  
के समन्वय से होती है।

18:00 (ग) गुण से रसात्मकता का बोध होता है।  
26 Sunday

आचार्य मम्मट के इस परिभाषा  
को आचार्य विश्वनाथ ने तुरिप्राय्य व्योचिन  
किया है। उनके अनुसार कोई भी काव्य पूर्णतः  
दोष-रहित नहीं हो सकती, अतः निर्दोषता

Republic Day (India)

JAN 2020

W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31

Life isn't about finding yourself. Life is about creating yourself. - George Bernard Shaw

JANUARY '20  
 Voters' Day (India)

JANUARY '20

Two Thousand Twenty

Monday

27

Appointments

Week - 5th - 027-339

8.00

काव्य का लक्षण नहीं हो सकता।

9.00

आचार्य विठ्ठलनाथ ने "वाक्यं रसात्मकं काव्यं" को काव्य की परिभाषा से बचाने का प्रयत्न किया। यहाँ वाक्य से उगता मतलब सार्थक शब्द है।

11.00

यदि हम विठ्ठलनाथ की इस लोकप्रिय परिभाषा को मान लें, तो सही काव्य ही कल्पना ही नहीं हो सकती। मम्मट का

12.00

इस परिभाषिक एवं व्याख्या - सापेक्ष है जिसे समझे बिना इस - निष्पत्ति की प्रक्रिया जानी नहीं जा सकती। विठ्ठलनाथ की परिभाषा में -

13.00

कव्याभि दोष है।

14.00

पंडित जगन्नाथ ने काव्य का सही लक्षण निरूपित करते हुए बताया है -

15.00

"रमणीयार्थ प्रतिपादकः काव्यम्"

16.00

अर्थात् रमणीय-अर्थ को प्रतिपादन करने वाला ही काव्य होता है।

17.00

18.00

आधुनिक भारतीय विचारकों में

19.00

आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के अनुसार -

20.00

FEB

MAR

APR

MAY

JUN

FEB 2020

S S M T W T F S S S M T W T F S S M T W T F S S M FEB 2020  
 1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 . .

Not all of us can do great things. But we can do small things with great love. - Mother Teresa

28 Tuesday

Two Thousand Twenty

JANUARY '20

Appointments

— " साक्षी काल-वह है जो हृदय में मालीबार आनन्द या चमत्कार की सृष्टि करे। जय शंकर प्रसाद "

जयशंकर प्रसाद के अनुसार — " आत्मा का कल्पनात्मक अनुभूति है, जिसका संबंध विश्लेषण, विश्लेष या विज्ञान से नहीं है। "

'आचार्य रामचन्द्र शुक्ल' के अनुसार — 'जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था शान्तता कहलारी है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था साक्षात् कहलारी है। हृदय की इसी मुक्तिसाधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द-विद्यान करती है, उसे कविता कहते हैं।' मुक्तावस्था की यह परिभाषा बताती है कि भारतीय साहित्यशास्त्र व्यापारिक एवं संतुलित है। इससे उनका अभिप्राय आनन्द बोध कववा सादरबोध से है। रमणीयता जीवन इस आनन्द का प्रतिनिधित्व करती है जो लोड-जीवन को प्रभावित करता है।

JAN	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T
2020	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23

Dare to be free, dare to go as far as your the